

भा कृ अनु प -के मा शि सं ने पहला कृषि ड्रोन प्रदर्शन का आयोजन

17 जनवरी, 2024 को मुंबई में भा कृ अनु प -के मा शि सं द्वारा अपने कर्मचारियों और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए आयोजित पहले कृषि ड्रोन प्रौद्योगिकी प्रदर्शन के बारे में जानना बहुत रोचक रहा अच्छा है। ऐसा प्रतीत होता है कि इस आयोजन में अच्छी संख्या में लोगों ने भाग लिया और इसमें कृषि, मत्स्य पालन और जलीय कृषि में ड्रोन प्रौद्योगिकी के संभावित अनुप्रयोगों और लाभों के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया। डॉ. रविशंकर सी.एन. (निदेशक एवं कुलपति) ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और प्रतिभागियों को कृषि प्रथाओं में सुधार के लिए ड्रोन प्रौद्योगिकी की क्षमता के बारे में जागरूक किया। इसके अलावा, उन्होंने उल्लेख किया कि मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र में ड्रोन की भूमिका टिकाऊ और सटीक-संचालित प्रथाओं के लिए नवीन समाधान प्रदान करते हुए विस्तार की संभावना है।

डॉ. एन. पी साहू ,संयुक्त निदेशक ने कहा की हालाँकि, व्यापक रूप से अपनाने के लिए नियामक, तकनीकी और आर्थिक चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता हो सकती है। विस्तार विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अर्पिता शर्मा ने आने वाले दिनों में मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र में ड्रोन तकनीक का उपयोग करने वाले छात्रों के लिए उद्यमिता के अवसरों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने उल्लेख किया कि छात्र ड्रोन पायलट लाइसेंसिंग प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं और जलीय कृषि किसानों को अपनी सेवाएं प्रदान कर सकते हैं।

प्रतिभागियों को ड्रोन सहायक उपकरण, ड्रोन कार्यप्रणाली, संभावित उपयोग और ड्रोन के बारे में जानकारी दी गई। मारुत ड्रोन, हैदराबाद के प्रतिनिधि द्वारा ड्रोन को संभालने के दौरान लाभ, सावधानियां आदि के बारे में बताया गया। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. अनंतन पी.एस. और डॉ. शिवाजी अरगडे द्वारा किया गया है। टिकाऊ और सटीक-संचालित प्रथाओं के लिए नवीन समाधान प्रदान करते हुए विस्तार की संभावना है। आईसीएआर-सीआईएफई की यह पहल शुरू करने में एक सक्रिय दृष्टिकोण प्रदर्शित करती है। कृषि, मत्स्य पालन और जलीय कृषि में ड्रोन प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगों और संभावनाओं से कर्मचारियों और स्नातकोत्तर छात्रों को परिचित कराना। यह इस प्रौद्योगिकी को व्यापक रूप से अपनाने के लिए चुनौतियों का समाधान करने के महत्व पर भी प्रकाश डालता है। पर फोकस छात्रों के लिए उद्यमिता के अवसर एक उल्लेखनीय पहलू है, जो उन्हें कृषि ड्रोन प्रौद्योगिकी के विकसित क्षेत्र का पता लगाने और योगदान करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

